सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

वॉल्यूम : V
अंक : IV
जनवरी २०१८

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

www.cus.ac.in

संपादकीय

नव वर्ष का अर्थ है एक नई शुरुआत और एक ताजगीपूर्ण प्रारम्भ। अगर आप अतीत को विदा कर सकते हैं, विफलता और असंतुष्टि से अपने आप को मुक्त कर सकते हैं, तो आप भविष्य में एक नई दृष्टि - एक नई उमंग और उसमें निहित सभी अद्भुत संभावनाओं को गले लगा सकते हैं।

अत: जैसे ही आप भविष्य को देखें, अपनी ऊर्जा और और दृढ़ संकल्पों को निरंतर बनाए रखें। नववर्ष हमारे जीवन में अनगिनत संभावनाएं और अवसर लाए और हम जो भी करते हैं उसमें हम अपना सर्वोत्तर प्रयास दे सकें।
आप सभी के लिए आनेवाला वर्ष बेहद सुखद और समृद्ध हो, यही शुभकामना है।

श्रीमती कुंजिनी प्रकाश डर्नल

आगामी कार्यक्रम

भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के सहयोग से गणितीय जीनोमिक्स पर कार्यशाला
दिनांक : १९ से २२ फरवरी २०१८
स्थान : बराद सदन

69वां गणतंत्र दिवस समारोह

६९वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कंचनजंघा प्रबंधन खंड में कुलपति (कार्यवाहक) प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग ने ध्वजारोहन किया। प्रो. तामांग ने उपस्थित सभी सकाय सदस्यों, गैर शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने आपने भाषण में स्वतन्त्रता के बाद पिछले सत्तर वर्षों में हुए भारत में हुए विकास पर प्रकाश डाला।

कुलसचिव श्री टी.के.कौल ने भी उपस्थित सभा को संबोधित किया और विसेशी शैक्तियों से देश को सुरक्षा प्रदान करने में देश के रक्षाकर्मियों के उल्लेखनीय और अथक प्रयासों को रेखांकित किया।

इस अंक में :

- संपादकीय
- आगामी कार्यक्रम
- ६९वां गणतंत्र दिवस समारोह
- डॉ. प्रदीप कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन विभाग और डॉ. सुभाष मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग द्वारा मादक द्रव्यों के प्रयोग की भूमिका और सिक्किम में कक्षा ग्यारहवीं और बरहवीं के छात्रों के विश्वास स्तर पर इसका प्रभाव विषय पर के मनोवैज्ञानिक अध्ययन।
- भूटान की वनस्पति अध्ययन यात्रा : बॉटनी विभाग
- विश्वविद्यालय में हाल में हुई नियुक्तियां : शिक्षण

ईमेल पता : suchronicle@cus.ac.in

मादक द्रव्यों के उपयोग की भूमिका और सिक्किम में कक्षा ग्यारहवीं और बरहवीं के छात्रों के आत्मविश्वास स्तर पर इसका प्रभाव : एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन

डॉ. प्रदीप कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन विभाग और
डॉ. सुभाष मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग

पृष्ठभूमि : वर्तमान परियोजना का उद्देश्य द्रव्यों के उपयोग की समस्या और सिक्किम के युवाओं के आत्मविश्वास के स्तर पर उसका बेहतर प्रभावों को समझने और सुलझाने में सहायता प्रदान करना है।

उद्देश्य :

1. मादक द्रव्यों के उपयोग से होनेवाली हानि के संबंध में जानकारी प्राप्त करना तथा सिक्किम में कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्रों के व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
2. कैरियर से संबन्धित निर्णय लेने में छात्रों के आत्मविश्वास स्तर पर मादक द्रव्यों के उपयोग से आचरण पर पड़नेवाले प्रभावों का आकलन करना।
3. सिक्किम में छात्रों द्वारा (कक्षा xi और xii) मादक द्रव्यों के उपयोग और उसके प्रभाव को कम करने के लिए उपायों का सुझाव देना।

समस्या का विवरण : क्या किशोर छात्रों में मादक पदार्थों के उपयोग के परिणामों के बारे में जानकारियां पर्याप्त होती हैं ताकि वे इसका इस्तेमाल शुरू करने और इसे जारी रखने से रोक सकें और छात्रों के आत्मविश्वास के स्तर पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है, जिससे कैरियर की संभावनाओं पर सीधा असर पड़ता है, यह एक प्रश्न है, जिसे आगे स्पष्ट करने की जरूरत है :

क्रियाविधि : यह अध्ययन जनसंख्या आधारित अनुभागीत अध्ययन है जो सभी चार जिलों (पूर्वी जिला =१०, पश्चिमी जिला=५, दक्षिण जिला=८ और उत्तरी जिला =२) को शामिल करते हुए २५ सीनियर माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित किया गया है।

निष्कर्ष : इस अध्ययन में मादक द्रव्यों के सेवन का प्रचालन पहले किए गए कुछ राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के अनुरूप था। हमारे अध्ययन में अन्य स्थानों की तुलना में सामान्य रूप से सिक्किम और विशेष रूप से किशोरों में मादक द्रव्यों के सेवन का प्रचलन काफी अधिक है। सिक्किम में सीनियर माध्यमिक विद्यालयों में किशोरों में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग का उच्च दर अधिकतर शराब और अन्य पदार्थों के सांस्कृतिक स्वीकृति और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की पैतृक अनुमोदन से संबंधित हैं। हमारे परिणामों के आधार पर लड़कों (७०%) में मादक द्रव्यों के सेवन का प्रचलन लड़कियों की तुलना में काफी अधिक था। किशोरावस्था और मादक द्रव्यों के सेवन के बीच एक मजबूत संबंध है। मादक द्रव्यों के दुरुपयोग किशोरों के सफल शैक्षणिक प्रदर्शन और शैक्षिक उपलब्धि के लिए बाधक है। धूम्रपान करनेवालों के साथ साथ शराब और अन्य नशीली दवाओं के उययोगकर्ताओं, यहाँ तक कि वे लोग, जिन लोगों ने इन पदार्थों का एक बाद उपयोग किया हैं, वे अन्य छात्रों की तुलना में खराब अंक और कमजोर विद्यालय प्रदर्शन करते हैं। हमारे निष्कर्षो से पता चला है कि मादक द्रव्य सेवन करने वाले छात्रों के ग्रेड विफलता अन्य छात्रों की तुलना में अधिक पाया गया था। एक ही माता-पिता अथवा तलाक़शुदा परिवारों के साथ रहना एक किशोर को कई तरीके से अधिक नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिए अधिक संवेदनशील बना सकता है।
सौतेली माँ और सौतेले पिता के साथ रहने वाले किशोरों में नशीली दवायों के उपयोग उन किशोरों से अधिक है जो दोनों जैविक-माता-पिता के साथ रहते हैं। हमारे निष्कर्षों से यह प्रतीत हुआ है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का खतरा उन छात्रों में अधिक है जो अपने दोनों जैविक माता-पिता के साथ नहीं रहते हैं। इसके अलावा, फिशर परीक्षण में नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं में आत्मसम्मान और गरीब परिवार के रिश्तो के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग पाया गया। अध्ययनों से पता चला है कि असफल छात्रों के पास पर्याप्त सफल अनुभव नहीं होने के कारण वे अपनी क्षमताओं और प्रतिभाओं को कम करके आँकते हैं। इन प्रकार के छात्रों में आत्मसम्मान बहुत कम था। हमारे परिणामों में सिक्किम के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्रों के बीन नशीली पदार्थो के दुरुपयोग का एक बृहत विस्तार पाया गया और इससे संबन्धित कारकों को भी निर्धारित किया गया। छात्रों में नशीले द्रव्यों की लत के बढ़ते प्रसार पर विचार करते हुए किशोरों के नमूनों पर अनुदैर्घ्य अध्ययन, मादक द्रव्यों के दुरुपयोग की घटना दर और इससे संबन्धित कारकों को निर्धारित करने के लिए सुझाव दिये गए हैं। वर्तमान आध्यान से पता चला है कि रोसेनबर्ग के आत्मसम्मान परीक्षण के परिणाम और ड्रग्स के अवैध दुरुपयोग जैसे धूम्रपान और हेरोइन, गोलियां, शराब, नास और अन्य पदार्थों के बीच का संबंध महत्वपूर्ण था। रोसेनबर्ग के आत्मसम्मान परीक्षण के परिणाम और धूम्रपान के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग भी दर्ज किया गया था। संभवत: किशोरों और युवा वयस्कों में अवैध दवा के उपयोग को कम करने पर जीवन कौशल पाठ्यक्रमों का आयोजन, विशेष रूप से आत्मविश्वास का निर्माण, आत्मसम्मान की वृद्धि और "नहीं कहो" कौशल का महत्वपूर्ण प्रभाव है। साथ ही साथ, विद्यार्थियों की रोकथाम और शिक्षा के लिए लक्षित कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने, प्रेरित करने, सकारात्मक मानसिक रुख को बढ़ावा देने और जोखिम भरा व्यवहार को कम करने के लिए परामर्श केंद्र बेहद लाभकारी होगा। वर्तमान अध्ययन की ताकत सिक्किम के चार जिलों और विभिन्न सीनियर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित नमूना थी।

उपसंहार : वर्तमान अध्ययन ने रोसेनबर्ग के आत्मसम्मान परीक्षण के परिणाम और अवैध नशीली दवाओं जैसे धूम्रपान और हेरोइन, गोलियां, शराब, नास और अन्य पदार्थों के दुरुपयोग के बीच महत्वपूर्ण सहयोग दिखाया। अत: किशोरों के भावनात्मक और व्यवहार संबंधी विकारों को रोकने के लिए आत्मसम्मान बनाना जरूरी है। यह तथ्य किशोरों में धूम्रपान और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए हमें नए तरीकों के बारे में मार्गदर्शन कर सकता है।

भूटान में वनस्पति अध्ययन यात्रा पर रिपोर्ट

रॉयल थिंपु कॉलेज, भूटान, उग्येन वांगचुक जलवायु एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान और बॉटनी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सहयोगी परियोजना के एक हिस्से के रूप में तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक अध्ययन यात्रा आयोजित किया गया था जिसे डॉ. एस.के.राई, सहायक प्राध्यापक, बॉटनी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक २२ अक्टूबर से २ नवंबर २०१७ तक संयोजित किया गया था। उक्त शैक्षिक यात्रा में सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ तोयल थिंपु कॉलेज के ४० छात्रों और ५ संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

छात्रों ने भूटान के यूसिपांग अक्षय प्राकृतिक संसाधन-अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा राष्ट्रीय डेयरी शोध केंद्र का दौरा किया। डायरी अनुसंधान केंद्र भूटान के संकर पशु प्रजनन के कृत्रिम गर्भधारण के लिए अग्रणी है। रॉयल बॉटनीकल उद्यान, लम्पेलरी में पक्षियों के लगभग १९ विभिन्न प्रजातियाँ और ३० से भी अधिक महत्वपूर्ण पौधे देखे गए हैं। संकाय सदस्यों के साथ छात्रों ने प्राकृतिक संसाधन महाविद्यालय, लोबेसा, ब्लैक नेकद क्रेन संरक्षण स्थल फोब्जिका और उग्येन वांगचुक जलवायु एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान का भी दौरा किया। छात्रों के लिए कई वृत्तचित्रों और प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। छात्रों ने भी थारपिलिंग से लामियों गोमपा से संरक्षित शोध के माध्यम से ट्रेकिंग में भाग लिया। पारो और टकसांग मठ की यात्रा की भी योजना थी। दिनांक १ नवंबर २०१७ को रॉयल थिंपु कॉलेज में आईसीआईएमओडी-एचयूसी बीज अनुदार साझेदारों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। एचयूसी सदस्य शैक्षिक संस्थानों में पाठ्यक्रम को डिजाइन करने तथा कार्यान्वित करने के लिए चर्चा आयोजित की गई थी, जो पर्वतीय क्षेत्रों और उसके समुदाओं के आजीविका में सुधार करने से संबन्धित समस्याओं का समाधान किया जा सके। शैक्षिक यात्रा ने छात्रों को भूटान के विभिन्न सनसठनों के वैज्ञानिकों और संसाधनों के साथ संवाद करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया है और उन्हें विशेष रूप से जैव- विविधता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आगे शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया है।

सिक्किम विश्वविद्यालय में हाल ही में नियुक्त शिक्षण कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. जेम्स वी. हाओकीप	सहायक प्राध्यापक	मानवशास्त्र
2.	डॉ. गरिमा ठाकुरिया	सहायक प्राध्यापक	मानवशास्त्र
3.	डॉ. शांति स्वरुप शर्मा	प्रोफेसर	बॉटनी
4.	डॉ. आनंद परियार	सहायक प्राध्यापक	रसायनिकी
5.	डॉ. स्वरुप रॉय	सह प्राध्यापक	कंप्यूटर अनुप्रयोग
6.	प्रो. जेता सांकृत्यायन	प्रोफेसर	अर्थशास्त्र
7.	डॉ. योडीदा भूटिया	सह प्राध्यापक	शिक्षा
8.	डॉ. रविपल्ली एस.एस.नेहरू	सहायक प्राध्यापक	शिक्षा
9.	सुश्री आवृति शर्मा	सहायक प्राध्यापक	शिक्षा
10.	डॉ. परविंदर कौर	सहायक प्राध्यापक	अंग्रेजी
11.	डॉ. बृजेश कुमार पांडे	सह प्राध्यापक	हिंदी
12.	श्री प्रदीप त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक	हिंदी
13.	डॉ. वीनू पंत	सह प्राध्यापक	इतिहास
14.	सुश्री दीपमाला रोका	सहायक प्राध्यापक	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
15.	श्री मदन कुमार यादव	सहायक प्राध्यापक	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
16.	डॉ. कृष्ण मुरारी	सह प्राध्यापक	प्रबंधन
17.	डॉ. पूजा बस्नेत	सहायक प्राध्यापक	जनसंचार
18.	श्री बिपुल पाल	सहायक प्राध्यापक	गणित
19.	डॉ. नम्रता बेहरा	सहायक प्राध्यापक	गणित
20.	प्रो. संजय बंदोपाध्याय	प्रोफेसर	संगीत
21.	श्री सुरेन्द्र कुमार	सहायक प्राध्यापक	संगीत
22.	सुश्री अरुणा राई	सहायक प्राध्यापक	नेपाली
23.	डॉ. विमल खवास	सह प्राध्यापक	शा. एवं द्व. अ.एवं प्र
24.	डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार	सहायक प्राध्यापक	शा. एवं द्व. अ.एवं प्र
25.	डॉ. मोहम्मद यासीन	प्रोफेसर	राजनीति विज्ञान
26.	डॉ. सत्यानंद पंडा	सह प्राध्यापक	मनोविज्ञान
27.	श्री विनोद भट्टराई	सहायक प्राध्यापक	समाजशास्त्र
28.	डॉ. अमित कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पर्यटन
29.	श्री अखिलेश कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पर्यटन
30.	डॉ. के. बिरला सिंह	सह प्राध्यापक	प्राणिविज्ञान